दिनांक 04.06.2014 को माननीया मंत्री, जल संसाधन विभाग की अध्यक्षता में सम्पन्न समीक्षा बैठक की कार्यवाही।

बैठक में जल संसाधन विभाग के निम्नांकित पदाधिकारी उपस्थित हुए।

1. श्री अविनाश कुमार
   सचिव
2. ई० अरविन्द कुमार
   अभियंता प्रमुख– I
3. ई० आर० एस० तिग्गा
   अभियंता प्रमुख– II
4. ई० अशोक कुमार
   मुख्य अभियंता(मोनिटरिंग)
5. ई० गणेश राम
   मुख्य अभियंता,
   जल संसाधन विभाग, राँची।
6. ई० सुरेन्द्र कुमार
   मुख्य अभियंता,
   जल संसाधन विभाग, मेदनीनगर
7. ई० ब्रजमोहन कुमार
   मुख्य अभियंता,
   चांडिल कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर
8. ई० विवेकानन्द मिश्र
   मुख्य अभियंता
   ईचा–गालूडीह कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर
9. ई० अरविन्द कुमार
   मुख्य अभियंता,
   जल संसाधन विभाग, हजारीबाग
10. ई० गणेश राम
    मुख्य अभियंता
    रूपांकण, समग्र योजना एवं जल विज्ञान, राँची।
11. ई० नीलमणि तिर्की
    मुख्य अभियंता
    अग्रिम योजना, राँची।
12. ई० राम चन्द्र रजक
    मुख्य अभियंता,
    लघु सिंचाई, राँची।
13. ई० हेमन्त कुमार,
    मुख्य अभियंता,
    लघु सिंचाई, दुमका।
15. ई० सच्चिदानन्द चौधरी,
    मुख्य अभियंता (यांत्रिक),
    जल संसाधन विभाग, राँची।

सर्वप्रथम सचिव महोदय द्वारा माननीया मंत्रीजी का स्वागत किया गया तथा विभाग की योजनाओं के कार्यान्वयन के Action Plan एवं विभाग की सोच के बारे में बताया गया।

बताया गया कि प्रथम दो महीने में विभाग द्वारा विभिन्न चालू योजनाओं के लिये आवंटन निर्गत कर दिया गया है।

<u>माननीया मंत्री महोदया द्वारा निदेश दिया गया कि –</u>

(i) चालू योजनाओं को समय के अनुसार किस प्रकार पूर्ण करना है। इसके लिये समय सीमा निर्धारित कर उसे पूरा करने का ठोस कार्यक्रम बनाया जाय तथा विभाग के लक्ष्य के अनुसार उत्तरदायित्व को समझते हुए जिम्मेवारी पूर्वक कार्य को पूरा कराया जाय।

(ii) कार्य की गति में तेजी लाई जाय।

<u>सुवर्णरेखा परियोजना</u>

प्रशासक, सुवर्णरेखा परियोजना द्वारा बताया गया कि –

- इस वर्ष चांडिल जलाशय का जलस्तर 185.00 मी० तक ले जाने का लक्ष्य है।
- चांडिल बांयी मुख्य नहर के 113 कि०मी० पर रेलवे पुल निर्माण का कार्य दिसम्बर 2014 तक पूर्ण हो जायेगा। इसके पूर्ण होने के पश्चात् 127 कि०मी० तक पानी चला जायेगा। वर्त्तमान में इस नहर से 113 कि०मी० तक 6325 हे० में सिंचाई दी जा रही है।
- चांडिल बांयी मुख्य नहर में 119 कि०मी० के बीच अवशेष Lining कार्य 1 – 1½ महीने में पूरा हो जायेगा।
- CLMC में Distributary का कार्य प्रगति पर है, इसमें कई जगह NH Crossing है। NH Crossing के लिये NHAI से सम्पर्क किया गया है।

<u>मुख्य अभियंता, चांडिल कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर</u>

- **<u>चांडिल बांयी मुख्य नहर</u>** में कुल 66 वितरणी है, जिसमें 19 पूर्ण, 41 में कार्य प्रगति में, 2 में पम्प कैनाल हैं एवं 2 Drop हो गया है।
- मुख्य अभियंता, चांडिल कम्पलेक्स द्वारा बताया गया कि CLMC में Minor & Sub Minor का DPR तैयार किया जा रहा है। कुल 315 DPR तैयार करना है जिसमें से 130 DPR तैयार हो गया है।

- निदेश दिया गया कि एक तरफ से DPR तैयार हो जाने पर एक Package बनाकर उसका Tender किया जाय।
- DPR तैयार करने वाले Agency को चेतावनी दी जाय कि वे समय से DPR तैयार कर समर्पित करें।
- वैसे एकरारनामों जिनको बन्द करना आवश्यक है, उसका Proper reasoning होना चाहिए।
- CLMC में NH Crossing हेतु सभी कार्रवाई की जाय। आवश्यक होने पर केन्द्र सरकार को पत्र लिखा जायेगा। इसके लिये सभी तथ्यों से विभाग को अवगत कराया जाय।
- इस मॉनसून अवधि के पूर्व Field Engineers एवं Sigma Consultant द्वारा Site visit कर लिया जाय और सभी DPR तैयार कर लिया जाय।
- अगले दो माह में सभी Minor & Sub-Minor का DPR तैयार कर अगस्त माह तक इनकी निविदा आमंत्रित कर दी जाय।
- **<u>चांडिल दाँया मुख्य नहर</u>** – इसका कार्य AIBP में शामिल नहीं है। इस नहर का सर्वेक्षण राज्य योजना की राशि से किया जाना है। सर्वे कार्य यथाशीघ्र करने का निदेश दिया गया।
- **<u>गालूडीह दाँया मुख्य नहर</u>** – इस नहर की लम्बाई 56 कि०मी० है। यह नहर उड़ीसा को जाती है। इस नहर का कार्य लगभग पूर्ण है। कुछ Patch में काम चल रहा है। इस नहर के 5 distributary का Tender किया किया गया, निविदा में Tender नहीं पड़ने/एकल निविदा होने के कारण निविदा को रद्द कर पुनर्निविदा की जा रही है।
- सर्वेक्षण कार्य के संबंध में यह निदेश दिया गया कि विभाग स्तर पर सात Consultant का चयन किया गया है। इन Consultant से कार्य काया जाय परन्तु इन्हीं consultant से सर्वे कराने की बाध्यता नहीं है। मुख्य अभियंता आवश्यकतानुसार open tender भी कर सकते हैं या विभागीय अभियंता से भी सर्वे करा सकते हैं। परन्तु सर्वे कार्य यथाशीघ्र हो इसका ध्यान रखा जाय।
- मुख्य अभियंता द्वारा Law and Order का मामला उठाया गया एवं भू–अर्जन हेतु ग्रामिणों द्वारा नये दर पर राशि की मांग का मामला उठाया गया।
- Law & Order एवं भू–अर्जन भुगतान की समस्या का निराकरण करने हेतु प्रशासक को निदेश दिया गया।

गालूडीह बांयी मुख्य नहर

- **0.00 से 65.00 कि०मी० तक** Distribution & Main Distributary का सर्वे कर DPR तैयार करना है।
- विभाग द्वारा Consultant का चयन किया गया था, जिनसे Financial Bid प्राप्त करना था। परन्तु इसका purpose defeat हो रहा है। सातो को पत्र दिया जाय कि 7 दिनों के अन्दर DPR तैयार करने का Offer दें। अगर नहीं प्राप्त होता है तो तुरन्त open tender invite करें।
- जहाँ संभव हो वहाँ विभागीय अभियंताओं के द्वारा भी सर्वे एवं प्राक्कलन तैयार करने का कार्य किया जाय।

मुख्य अभियंता, ईचा–गालूडीह कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर

- इस परिक्षेत्राधीन **ईचा डैम, खरकई बराज** एवं इसके पूरे System का कार्यक्षेत्र है।
- वर्ष 2014–15 में कराये जाने वाले चालू कार्यो के लिये ₹ 723.00 करोड़ का वार्षिक कार्यक्रम है। वर्ष 2014–15 में अबतक ₹ 7.0112 करोड़ का व्यय हो चुका है।
- योजना को 2015–16 तक पूरा करने हेतु पूरी कार्य योजना देंगे।

मुख्य अभियंता द्वारा बताया गया कि –

- **खरकई बराज** निर्माण के लिये L&T कम्पनी चेन्नई को कार्य आवंटित कर दिया गया है। जिसकी एकरारित राशि रू० 257.98 करोड़ है।
- Excavation का कार्य हो रहा है।
- Construction drawing इस सप्ताह में CWC से प्राप्त होने की संभावना है।
- खरकई बराज का दांयी मुख्य नहर के 0.00 से 12.22 कि0मी0 का मिट्‌टी एवं लाइनिंग कार्य प्रगति पर है तथा कि0मी0 17.22 से 29.83 तक Lining कार्य हो रहा है।
- **ईचा बाँध** के विस्थापित द्वारा नहर का कार्य बंद करा दिया गया है जिसके कारण शेष 6 कि०मी० का कार्य बाधित है। विधि व्यवस्था हेतु चाईबासा D.C., S.P., प्रशासक एवं मुख्य अभियंता की बैठक आयोजित की गई है।
- इस संबंध में कार्रवाई करने का निदेश प्रशासक को दिया गया।
- खरकई बराज के दांयी मुख्य नहर की कुल सिंचाई क्षमता 15,400 हे० है।
- सरायकेला Distributary के कार्य में Public objection है।

- गारानाला में चेन 375 पर Aqueduct का Design data submitted है।
- Branch Canal 70 कि०मी० है। ''टर्न–की'' पर निविदा निकाली जा सकती है।
- पुनर्वास के 9 Site (स्थल) है, जिसमें दो Site पर कार्य चल रहा है।

निदेश :–

- जितनी जल्दी हो सके सभी पुनर्वास स्थल का कार्य पूरा कराया जाय।
- प्रशासक, मुख्य अभियंता, ईचा–गालूडीह, उपायुक्त, चाईबासा से मिलकर उन्हें स्थिति से अवगत करावें एवं उनके मदद प्राप्त कर भू–अर्जन की समस्याओं का निराकरण करें।
- Local लोगों के बीच जाकर लाभ एवं उपयोगिता बतावें। लोगों को Confidence में लें।
- निदेश दिया गया कि L.A. के सभी मामले को logical end पर लाया जाय।
- जो समस्या है, उससे प्रशासक को अवगत कराया जाय तथा प्रशासक द्वारा विभाग को भेजा जाय।
- व्यक्तिगत सम्पर्क बढ़ाकर प्रत्येक गाँव में Public relations मजबूत करते हुए कार्य हित में योजना की समस्याओं का निराकरण ढूँढ़ा जाय।
- पुनर्वास पदाधिकारी के रूप में Under Secretary के rank में राज्य सरकार के स्तर से पदस्थापन हेतु कार्रवाई की जाय।
- प्रमण्डल में रिक्त पदों पर पदस्थापन हेतु अनुरोध मुख्य अभियंता, चांडिल द्वारा किया गया।

सचिव द्वारा निम्न सामान्य निर्देश दिए गए –

- सभी कार्यों जिनका एकरारनामा हो गया है, उन सभी कार्यों में प्रगति सुनिश्चित किया जाए एवं निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण कराया जाय।
- परियोजना अन्तर्गत प्रत्येक कनीय अभियंता के पास लगभग दो कार्य हो। प्रत्येक कनीय अभियंता शाम में कार्य के प्रगति का Report सहायक अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता को देंगे जिसे एक Register में संधारित किया जाय। Report की Random Checking की जाय।
- कराए गए सभी कार्यों का भुगतान कर दिया जाय एवं Payment Liability जून माह में शून्य कर दिया जाय।

- Project का अवयववार लक्ष्य निर्धारित कर उसका कैलेन्डर तैयार किया जाय। कैलेन्डर सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता के कार्यालय कक्ष में लगा रहना चाहिए।
- भू–अर्जन में आ रही समस्याओं का निराकरण करने का निदेश प्रशासक को दिया गया। इस संबंध में विभाग एवं राजस्व विभाग के स्तर पर दूर होने वाली बाधाओं का प्रस्ताव विभाग को भेजा जाय।
- विस्थापितों के समस्या के संबंध में कोई नितिगत मुद्दा हो तो उसका प्रस्ताव दिया जाय।
- परियोजना में Man Power की आवश्यकता का समेकित प्रस्ताव देने का निदेश प्रशासक को दिया गया।

II. <u>मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, देवघर</u>

(i) **<u>अजय बराज योजना</u>** –

बराज निर्माण कार्य पूर्ण है। मुख्य नहर का निर्माण कार्य पूर्ण है। योजना के कमिशनिंग हेतु नहरों की आवश्यक मरम्मति के कार्य कराये जा रहे है।

इस योजना का उद्घाटन दिनांक–20.04.2012 हो चुका है।

योजना पूर्ण होने पर इसकी सिंचाई क्षमता 40510 हे० है। सम्प्रति 6000 हे० में सिंचाइ दी जा रही है।

<u>Forest Clearance :-</u>

- Forest Clearance हेतु उपायुक्त एवं संबंधित अंचालाधिकारी से सम्पर्क कर समस्या का समाधान तुरन्त निकालने का निदेश दिया गया।

(ii) <u>पुनासी जलाशय योजना</u> – सिंचाई क्षमता:– खरीफ 15,000 हे० एवं रब्बी 9000 हे०

- योजना की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति रू० 185.82 करोड़ के लिये वर्ष 1998 में प्रदान की गयी है।
- Revised Estimated Cost रू० 872.00 करोड़ का है।
- दिनांक 05.06.2014 तक विभाग को submit कर दिया जायेगा।

मुख्य अभियंता द्वारा बताया गया कि –

डैम – River Closure छोड़कर मिट्टी बांध का निर्माण कार्य पूर्ण है।

स्पीलवे – निर्माण क्षेत्र में कुछ वनभूमि शामिल है, जिसमें कार्य नहीं हो रहा है। गैर वनभूमि क्षेत्र में निर्माण कार्य हो रहा है। 16 गाँव प्रभावित है। ग्राम सभा हो गया है। वन विभाग के परामर्श के आलोक में वन विभाग के norms पर Cost Benefit Ratio N.G.O. से तैयार कराया जा रहा है। योजना के वनभूमि Clearance जून माह तक प्राप्त हो जाने की संभावना है।

मुख्य नहर – मुख्य नहर (लगभग 72 कि०मी०) के 41 कि०मी० का कार्य tendered है एवं कार्य चल रहा है। Canal Unlined है। 43 कि०मी० तक Land Acquisition हो गया है। उसके आगे Land Acquisition नहीं हुआ है। L.A. Plan तैयार किया जा रहा है जो दो महीने में submit कर दिया जायेगा। इससे 3 शाखा नहर एवं 31 वितरणियाँ निकलती है। शाखा नहरों एवं वितरणियों के I.R. के लिये E.O.I. आमंत्रित किया गया है।

निदेश :–

- AIBP में शामिल करने के लिये प्रस्ताव तैयार किया जाय।
- बासाकोला ग्राम में Land loosers के बारे में D.C. के Order प्राप्त होने के पश्चात परियोजना को पूर्ण करने के लिये परियोजना हित में प्रस्ताव विभाग को भेजा जाय।
- विस्थापितों का Succession Certificate अंचालाधिकारी से प्राप्त किया जाय।

(iii) **गुमानी बराज योजना** – सिंचाई क्षमता – 1619 हे० योजना का कार्य पूर्ण है। बराज के अपस्ट्रीम (U/S) में रूपांकित स्तर तक पानी का लेवल होने पर बगल के खेतो में पानी जा सकता है। परन्तु, ग्रामिणों द्वारा जमीन अधिग्रहण का विरोध करने के कारण एफलक्स बाँध के निर्माण का कार्यान्वयन प्रारम्भ नहीं किया जा सका है। सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है।

1. गैन्ट्री – Parking maintenance Bay बनाना है। EOI के लिये विभाग द्वारा निदेश दिया गया है। EOI आमंत्रित कर सूचित किया जाय।
2. Afflux बाँध के Extended भाग में निर्माण के लिये आवश्यक L.A. के लिये सर्वे किया जा रहा है। आधे भाग में ग्रामिणों द्वारा अवरोध किया जा रहा है। Police Force depute कराकर एक सप्ताह में सर्वे कार्य पूरा कराया जाय।

(iv) **बटेश्वरस्थान गंगा पम्प नहर योजना** – योजना का शीर्ष कार्य बिहार राज्य में है। योजना की वितरण प्रणाली बिहार एवं झारखण्ड दोनों राज्य में है। झारखण्ड राज्य को इससे 4887 हे० में सिंचाई उपलब्ध होगी। निर्माण कार्य प्रगति में है।

AIBP का क्या हुआ :–

- मुख्य अभियंता द्वारा बताया गया कि झारखण्ड सरकार द्वारा DPR दे दिया गया है। बिहार के स्तर पर तैयार किया जा रहा है।
- 19 SLR, 5 DLR Bridge का Partial कार्य हुआ है। संवेदक द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है। वैसे एकरारनामा को Rescind करने की कार्रवाई की जा रही है।

निदेश :–

- योजना कार्य को पूरा करने हेतु विभाग को प्रस्ताव दिया जाय।

(v) **बुढ़ई जलाशय योजना** – देवघर जिला की इस वृहत् योजना के DPR तैयार करने की कार्रवाई WAPCOS, गुड़गाँव द्वारा की जा रही है।

I. **मुख्य अभियंता प्रक्षेत्र, राँची** – मुख्य अभियंता द्वारा निम्नांकित जानकारी दी गयी।

(i) **रैसा जलाशय योजना – सिंचाई क्षमता 3140 हे०**

डैम – योजना का कार्य अभी बंद है। River Closure छोड़कर मिट्टी बाँध का लगभग 60 % प्रगति हुई है।

स्पीलवे – लगभग 25% कार्य कराया जा चुका है।

भू–अर्जन – डूब क्षेत्र में लगभग 128 हे० खूँटकट्टी जमीन है। इस विषय से संबंधित संचिका भू–राजस्व विभाग को भेजी गयी है।

पुनर्वास – डूब क्षेत्र में लगभग 50 परिवार प्रभावित हो रहे है।

(ii) **नकटी जलाशय योजना** – इस योजना की सिंचाई क्षमता 2200 हे० है। इसके कमाण्ड क्षेत्र में धान की अच्छी खेती हो रही है। योजना लगभग पूर्ण हो गया है। इसका उद्घाटन किया जा चुका है। योजना के मुख्य नहर में Tail End तक पानी चला गया है।

निदेश :–

- निदेश दिया गया कि लम्बित भुगतान के मामले का अविलम्ब निष्पादित कर विभाग को सूचित किया जाय।

(iii) **सोनुआ जलाशय योजना – सिंचाई क्षमता 8000 हे०**

- डैम का कार्य पूर्ण है। दोनों नहरों का कार्य लगभग पूर्ण है, परन्तु इन नहरों के कई संरचनाओं की स्थिति अच्छी नहीं है। कई संरचना क्षतिग्रस्त है, क्योंकि निर्माण कई वर्ष पूर्व हुए हैं। इनकी मरम्मति की नितांत आवश्यकता है।
- दाँयें आउटलेट का गेट ठीक से काम नही कर रहा है। इसके सूचारू रूप से संचालन हेतु गेटों की मरम्मति का कार्य आवंटित कर दिया गया है। कार्य प्रगति पर है।

निदेश–

- वार्षिक कार्यक्रम के अनुरूप योजन कार्य पूर्ण कराया जाय।

iv) **शुरू जलाशय योजना** – योजना का कार्य "टर्न–की" आधार पर पूरा कराने हेतु मई 2013 में एकरारनामा किया गया है। एजेन्सी द्वारा डी०पी०आर० तैयार करने हेतु सर्वे एवं स्पीलवे के प्रस्तावित स्थल पर Geotechnical investigation कराया जा रहा है। अबतक के कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है।

निदेश :–

- डैम एवं स्पीलवे के रूपांकण हेतु सभी आवश्यक Design Data CDO को उपलब्ध कराया जाय।
- CWC के retired Chief Engineer और कोई Technical Institution से Design का Vetting कराया जाय।

v) **रामरेखा जलाशय योजना** – सिंचाई क्षमता 4300 हे० है।

- डैम, स्पिलवे, आउटलेट निर्माण का कार्य पूर्ण है।
- बाँयीं मुख्य नहर का कार्य पूर्ण है।
- दाँयीं मुख्य नहर निर्माणाधीन है। कुल 642 चेन में से 221 चेन तक का कार्य पूर्ण है।
- मुख्य नहरों से निःसृत वितरणियों का भू–अर्जन कार्य चल रहा है।
- कार्य काफी धीमी गति से कराया जा रहा है।

निदेश –

- वार्षिक कार्यक्रम के अनुरूप योजना कार्य पूर्ण कराया जाय।

vi) **अपरशंख जलाशय योजना**– सिंचाई क्षमता 7000 हे० है।

- शीर्ष कार्य पूर्ण है। आउटलेट गेटों की स्थिति अच्छी नहीं है। गेटों का मरम्मति कराने एवं उसे Leak proof करने और Operative बनाने के लिये मुख्य अभियंता, यांत्रिक को जवाबदेही दी गयी है। Syphion का मरम्मति का कार्य के लिये पुनर्निविदा निकाली गयी है।
- गेट के मरम्मति के लिये निविदा निकाली जा रही है।

निदेश –

- योजना का कार्य जून 2015 तक पूर्ण करने का कार्यक्रम है।
- प्रत्येक योजना के लिये योजनावार सभी गेटों के सुचारू रूप से संचालन के लिये कार्रवाई की जाय।

(vii) **काँची वीयर योजना** –

- सिंचाई क्षमता – 16000 हे०।
- योजना का शीर्ष कार्य क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण लगभग आठ वर्षों से इस योजना से सिंचाई बाधित था। शीर्ष कार्य का पुनर्निर्माण लगभग पूर्ण कर लिया गया है, साथ ही मुख्य नहर में लाईनिंग कार्य प्रारम्भ हो गया है।
- योजना से पिछले खरीफ में 12000 हे० में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराया गया।

निदेश :–

- अगले खरीफ में योजना से पूरी क्षमता में सिंचाई उपलब्ध करायी जाय।
- ERM एवं Renovation के Agency को बुला कर मुख्यालय स्तर पर समीक्षा की जाय।

CAD –

- WAPCOS द्वारा काँची वीयर योजना का DPR दे दिया गया है।
- मुख्य अभियंता, देवघर द्वारा बताया गया कि मयुराक्षी नहर प्रणाली के CAD कार्य का WAPCOS द्वारा दो महीने में पूरा DPR दे दिया जायेगा, अन्यथा कार्य Rescined कर दिया जायेगा।

(viii) **सुकरी जलाशय योजना** –

- सिंचाई क्षमता 400 हे०।
- यह योजना लोहरदगा जिले के किस्को प्रखण्ड में निर्माणाधीन है। River Closure छोड़कर मिट्टी बाँध निर्माण हो गया है।
- एक मात्र मुख्य नहर का कार्य प्रगति पर है।
- योजना का कार्य जून 2015 तक पूरा करने का कार्यक्रम है।

(ix) **नन्दनी जलाशय योजना** –

- इस योजना का Administrative Approval हेतु प्रस्ताव प्राप्त हो गया है।
- अद्यतन अनुसूचित दर पर प्राक्कलन का Abstract revise किया जा रहा है।

(x) **तजना जलाशय योजना** –

- सिंचाई क्षमता 5600 हे०।
- योजना का कार्य "टर्न–की" आधार पर आवंटित है। कुछ लोगों द्वारा योजना कार्य का विरोध किया जाता है। गुटजोरा में चार लोगों का विरोध है। सिलादोन में अभी विरोध नहीं है।
- उपायुक्त खुँटी से समन्वय स्थापित कर शीर्ष कार्य के भू–अर्जन हेतु मापी करायी गयी है तथा भू–अर्जन कार्य हेतु विभाग द्वारा विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी को राशि उपलब्ध करायी गयी है।

- गैर मजरूआ जमीन में कार्य प्रारम्भ कराने हेतु उपायुक्त खुँटी से NOC प्राप्त कर, वर्षात के बाद कार्य प्रारम्भ करने की संभावना है।
- डैम का नक्शा Approval के लिये संवेदक द्वारा दिया गया है। मुख्य अभियंता, रूपांकण द्वारा बताया गया कि Agency द्वारा Dam-Spillway का सही नक्शा नहीं दिया जाता है तथा बताये गये त्रुटि का निराकरण समय से नहीं किया जाता है। जाँच के दौरान डैम का नक्शा Unsafe पाया गया है।

निदेश –

- दिनांक 09.06.2014 को उनके संवेदक के Technical Team को CDO Team के साथ मुख्यालय बुलाया जाय।

(xi) **काँटी जलाशय योजना** – राँची जिले के कर्रा प्रखण्ड में प्रस्तावित इस योजना को ग्रामिणों के विरोध एवं असहमति के कारण बंद कर दिया गया है। अंतिम विपत्र भुगतान हेतु संवेदक के द्वारा किये गये दावे पर विभागीय स्तर पर विचार किया जा रहा है।

(xii) **कोकरो सिंचाई योजना** –

- योजना के मुख्य नहर का लाईनिंग कार्य कराया जा रहा है।
- खुदाडीह शाखा नहर एवं सोनाहातू वितरणी का लाईनिंग कार्य प्रगति पर है।

(xiii) **डोरण्डा स्थित सिंचाई कार्यालय भवन का निर्माण** – कार्यालय भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है। कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

II. मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, हजारीबाग प्रक्षेत्र

(i) **कोनार सिंचाई परियोजना** –

- इस योजना का डैम DVC के द्वारा पूर्व से निर्मित है।
- योजना के नहर एवं वितरण प्रणाली का निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है।
- योजना के मुख्य नहर में अवशेष टनेल एवं अवयवों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।
- शाखा नहरों का लगभग 75% कार्य कराया जा चुका है।
- Approach चैनेल के लिये Dam का level down करना है।
- Link नहर में Gate का निर्माण।
- इस योजना से हजारीबाग जिले में 4765 हे०, गिरिडीह जिले में 50365 हे० एवं बोकारो जिले में 7826 हे० में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

तिलैया नहर योजना –

- इस योजना का DPR प्राप्त हो गया है। CDO को जॉच हेतु भेजा गया है।
- मुख्य अभियंता, CDO द्वारा बताया गया कि एक सप्ताह में DPR की जाँच पूरी कर ली जायेगी।

(iii) पंचखेरो जलाशय योजना – सिंचाई क्षमता 3000 हे०

स्पीलवे एवं आउटलेट का कार्य पूर्ण हो गया है।

डैम– मिट्टी बाँध का कार्य पूर्ण है।

दाँयीं मुख्य नहर – इसका कार्य लगभग पूर्ण। इससे पानी दिया जा रहा है एवं आंशिक सिंचाई प्रारम्भ कर दिया गया है।

बाँयीं मुख्य नहर – बाँयीं मुख्य नहर का कार्य प्रगति में है। नहर के शुरूआत में एक्वाडक्ट का निर्माण प्रगति में है। एक्वाडक्ट के निर्माण के पश्चात् नहर में पानी छोड़ा जा सकता है।

- योजना का कार्य जून 2015 तक पूर्ण करने का कार्यक्रम है।
- वितरण प्रणाली का भू–अर्जन प्रक्रियाधीन है।
- नवाडीह ग्राम का खतियान उपलब्ध नहीं होने के कारण भू–अर्जन प्रक्रिया बाधित है।
- दोनों गेटों से leakage हो रहा है। मुख्य अभियंता, यांत्रिक द्वारा बताया गया कि गेट का Leakage एक सप्ताह में पूरा करा दिया जायेगा।
- नहर टूटान के लिये कौन दोषी है, इसका Report मुख्य अभियंता (यांत्रिक) से नहीं प्राप्त हुआ है।
    - निदेश दिया गया कि अविलम्ब जाँच प्रतिवेदन विभाग को उपलब्ध करायें।
- मुख्य अभियंता, हजारीबाग द्वारा बताया गया कि दांयी मुख्य नहर से निःसृत दो शाखा नहर एवं बांयी मुख्य नहर से निःसृत तीन शाखाओं का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है।
    - निदेश दिया गया कि अगस्त माह तक इसकी निविदा आमंत्रित कर दी जाय।

(iv) केशो जलाशय योजना – योजना की सिंचाई क्षमता 3560 हे०।

- योजना के द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो गयी है।
- योजना के रैयतों द्वारा भू–मुआवजा के भुगतान हेतु विशेष भू–अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग को राशि उपलब्ध करा दी गयी है।

- भू–अर्जन पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि महधिवक्ता कार्यालय से सम्पर्क कर मार्ग निदेश प्राप्त कर लेंगे कि कोर्ट के माध्यम से भुगतान की प्रक्रिया क्या होगी।
- संयुक्त सचिव को निदेश दिया गया कि वे इस संबंध में आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।
- संवेदक द्वारा अभी तक कार्य शुरू नहीं किया गया है, उन्हें नोटिस दिया गया है।
- निदेश दिया गया कि संवेदक को सूचित करते हुए टीम बनाकर अंतिम मापी तुरन्त प्रारम्भ कर दिया जाय और तीन दिनों के अन्दर अगर कार्य नहीं प्रारम्भ होता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाय।

(v) **<u>भैरवा जलाशय योजना</u>** – सिंचाई क्षमता 4800हे०।

- योजना का पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति जनवरी 2014 में प्राप्त हो गयी है।
- योजना का कार्य टर्न–की पर आवंटित है।
- River Closure छोड़कर डैम का कार्य पूर्ण है। स्पिलवे एवं आउटलेट का कार्य पूर्ण है।
- मुख्य नहरों एवं वितरण प्रणाली का कार्य शेष है। वितरणियों का I.R. अभी तैयार नहीं हुआ है। संवेदक द्वारा कार्य अभी प्रारम्भ नहीं किया गया है।
- संवेदक को पत्र लिख दिया गया है कि कार्य प्रारम्भ करें अन्यथा Notice देकर Rescine करावें।

<u>निदेश :–</u>

- शनिवार तक कार्य प्रारम्भ नहीं होता है तो तुरंत Rescind करें।
- टीम गठित कर Measurement तुरंत प्रारम्भ करें।

(vi) **<u>बक्सा, गवई एवं खुदिया जलाशय योजना</u>** –

- इन योजनाओं के ERM कार्य का DPR तैयार करने के लिये WAPCOS को कार्य आवंटित कर दिया गया है।

<u>सामान्य निदेश (सभी परिक्षेत्र के लिये) :–</u>

- अग्रिम कार्यक्रम बनाकर कार्य कराया जाय।
- सभी कार्यपालक अभियंता प्रत्येक एकरारनामा की समीक्षा करे तथा निर्धारित समय पर कार्य पूरा करावें।
- कनीय अभियंता प्रतिदिन अपने सहायक अभियंता/कार्यपालक अभियंता को प्रतिदिन के प्रगति का प्रतिवेदन देंगे।

- सहायक अभियंता प्रगति प्रतिवेदन का Random Check कर कार्यपालक अभियंता को Report करेंगे।
- कार्यपालक अभियंता overall report अधीक्षण अभियंता / मुख्य अभियंता को देंगे।
- प्रत्येक एकरारनामा के प्रगति का एक Diary/Register अधीक्षण अभियंता के स्तर पर संधारित किया जाय।
- सभी कार्यपालक अभियंता की जवाबदेही होगी कि Payment liability शून्य है।
- मुख्य अभियंता, कार्यपालक अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता को योजना कार्य का लक्ष्य पता होना चाहिये और इसका Chart सभी के Chamber में लगा होना चाहिए।

IV. **मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, मेदिनीनगर**

(i) **डोमनीनाल बराज योजना** – सिंचाई क्षमता 2156 हे० इस योजना के निर्माण कार्य हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। ''टर्न–की'' आधार पर इसका निर्माण कराने हेतु निविदा प्राप्त हो गयी है, जो निष्पादन के प्रक्रियाधनी है।

(ii) **दानरों बीयर / चेक डैम योजना** – योजना से पेयजल आपूर्त्ति एवं 50 हे० सिंचाई प्रावधान है। इस योजना कार्य प्रगति पर है तथा इस वित्तीय वर्ष में पूर्ण करने का कार्यक्रम है।

(iii) **लौंगा वीयर योजना** – पुनर्स्थापन कार्य हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। तुरन्त निविदा प्रकाशित की जाय।

(iv) **बटाने जलाशय योजना** – पूर्ण सिचांई क्षमता 12,136 हे० है। झारखण्ड को इससे 1406 हे० में सिंचाई उपलब्ध होगा ।

- पूरे प्रशासनिक स्वीकृति को Revise करना है।
- Administrative Approval देकर बिहार को सूचित करना है, बिहार द्वारा अपने हिस्से का Administrative Approval किया जायेगा।
- बांयी मुख्य नहर का कार्य पूर्ण है इससे झारखण्ड में 700 हे० में सिंचाई हो रही है।
- दांयी मुख्य नहर का 90% कार्य पूर्ण है।
- पुनर्वास की समस्या का समाधान हेतु प्रयास किया जा रहा है।
- 2012 के पुनर्वास नीति के अनुरूप रू० 42.00 करोड़ का प्रस्ताव है। रू० 36.00 करोड़ बिहार द्वारा देना है।
- DPR तैयार है।

(v) **अमानत बराज योजना** –

- ❖ बराज का निर्माण हो चुका है।
- ❖ मुख्य नहर का 40% कार्य हुआ है।
- ❖ वितरणी प्रणाली का 20% कार्य हुआ है।
- ❖ बराज के अपस्ट्रीम में एफलक्स बाँध निर्माण में उत्पन्न समस्या के समाधान हेतु मुख्यालय स्तर पर कार्रवाई की जा रही है।
- ❖ Left Side --------- में Guide बाँध नहीं बना हुआ है। L.A. का proposal तैयार हो रहा है। दिनांक 10.06.2014 तक L.A. को submit कर दिया जायेगा।
- ❖ Joint verification के लिये कोई DFO Officer नहीं जा रहा है।
- ❖ निदेश दिया गया कि मुख्य अभियंता, मेदिनीनगर का Joint Verification से संबंधित पूरे वस्तुस्थिति से विभाग को अवगत करायेंगे ताकि विभाग स्तर से कार्यवाई की जा सके।

(vi) **नार्थ कोयल परियोजना** –

मंडल डैम – योजना में बेतला टाइगर रिजर्व की भूमि–डूब क्षेत्र में शामिल है। बन भूमि अपयोजना कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

मोहम्मदगंज बराज – बराज के 17 अदद डेक स्लैब के अवशेष निर्माण कार्य प्रगति पर है। डैम स्लैव नहीं ढलाया है। Shuttering हो रहा है। दांयी मुख्य नहर का कार्य पूर्ण एवं इससे झारखण्ड के 6000 हे० में सिंचाई हो रही है।

- ➢ 6 ता० को Jt. Inspection by CDO Engineers of Bihar & Engineers of Jharkhand. Joint Inspection के फलाफल से अवगत कराया जाय।
- ➢ A.A. लेकर बिहार के सहमति प्राप्त कर ली जाय।
- ➢ योजना का कार्य पूर्ण करने के लिये पूरा कार्यक्रम तैयार कर अनुमोदित कराया जाय एवं बिहार सरकार से अवगत कराया जाय।
- ➢ LMC का DPR तुरन्त तैयार करने हेतु कार्रवाई की जाय।
- ➢ बाढ़ – कार्य प्रारम्भ हो गया है। 50% कार्य हो गया है। आवंटन निर्गत हो गया है।

(vii) **मलय जलाशय योजना** – सिंचाई क्षमता – 7850 हे०

इसके ई० आर० एम० कार्य की प्रशासनिक स्वीकृति रू० 771.66 लाख के लिये प्रदान की गयी है।

- ➢ आवंटन निर्गत एवं कार्य प्रारम्भ हो गया है। E/W का कार्य चल रहा है।

(viii) **चिरका. जलाशय योजना** – Lining का प्रस्ताव है।

(ix) **अन्नराज. जलाशय योजना** – WAPCOS को सर्वे कार्य दिया गया है। जल्द पूरा कराकर DPR समर्पित किया जाय और A.A. की कार्रवाई की जाय।

लघु सिंचाई योजना :–

- पूछा गया कि V^{th} Phase में जो Tender किये गये है उसकी स्थिति क्या है।
- मुख्य अभियंता, लघु सिंचाई, दुमका द्वारा बताया गया कि कुल 23 योजना (देवघर छोड़कर) सभी decide हो गया है।
- मुख्य अभियंता, लघु सिंचाई, राँची द्वारा बताया गया कि कुल 20 में से 17 Tender decide हो गया है।
- AIBP अन्तर्गत 580 अदद् चेक डैम निर्माण की योजना तैयार है जिसकी लागत रू० 592.00 करोड़ है।

निदेश दिया गया कि –

- सभी Tender का शीघ्र निष्पादन कर कार्य प्रारम्भ कराया जाय।
- अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई RRR of Water bodies की योजना को जिला से पारित कराने के संदर्भ में सभी D.C. से एक सप्ताह में मिलेंगे एवं तत्पश्चात् अभियंता प्रमुख–II सचिव को अवगत करायेंगे।
- सिमडेगा के कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई कार्यक्षेत्र में नहीं रहते हैं, यह शिकायत D.C. के द्वारा दिनांक 02.06.2014 की बैठक में सचिव को किया गया।
- निदेश दिया गया कि उनके विरूद्ध कार्रवाई कर मुख्य अभियंता report दें।
- कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई रूपांकण प्र०, दुमका शिविर देवघर को निलम्बित किया जाय।

ह०/–
(अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो०)

पत्रांक–.. **/राँची, दिनांक–**.............................

प्रतिलिपिः– 1. अभियंता प्रमुख–I एवं II, जल संसाधन विभाग, राँची
2. मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, राँची/हजारीबाग/देवघर/मेदिनीनगर/चांडिल कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर/ ईचा–गालूडीह कम्पलेक्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर/ रूपांकण समग्र योजना एवं जल विज्ञान, राँची/अग्रिम योजना, राँची/ मुख्य अभियंता (मो०), राँची
3. अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिटरिंग अंचल–1;2 एवं 3, राँची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह०/–
(अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो०)

पत्रांक–.. **/राँची, दिनांक–**.............................

प्रतिलिपिः– माननीय मंत्री, जल संसाधन विभाग, झारखण्ड के आप्त सचिव/प्रधान सचिव के सचिव/विशेष सचिव के निजी सहायक, जल संसाधन विभाग, राँची को सूचनार्थ प्रेषित।

ह०/–
(अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो०)

पत्रांक– 2/PMC/ वेब- 230/2013- 508 **/राँची, दिनांक–** 25.06.2014

प्रतिलिपिः– वेब मैनेजर, वेब–साईट, जल संसाधन विभाग, राँची को सूचनार्थ एवं विभागीय वेब–साईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

24.6.2014
(अशोक कुमार)
मुख्य अभियंता (मो०)